रणजीत टाइम्स
वर्ष : 1, अंक: 97 इंदौर, सोमवार 7 अप्रैल 2025
RNI-NO.MPHIN/2015/64585
DIGITAL EDITION

दिल्ली में कई स्कूलों की मान्यता हो सकती है रद्द, लोगों में भारी आक्रोश

नईदिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में निजी स्कूलों की फीस बढ़ोतरी के खिलाफ विभिन्न स्थानों से अभिभावकों ने कई शिकायतें शिक्षा निदेशालय में की हैं। पूर्वी दिल्ली, मध्य दिल्ली, उत्तरी दिल्ली, उत्तर पश्चिमी दिल्ली जैसे स्थानों से कई अभिभावकों ने शिकायत की है। साथ ही, कुछ अभिभावक संघ ने शनिवार को मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता से भी इस मामले में मुलाकात कर निजी स्कूलों के खिलाफ फीस बढ़ोतरी को लेकर उचित कार्रवाई करने की मांग की है।

अब दिल्ली सरकार के शिक्षा विभाग ने लोगों की शिकायतों को देखते शनिवार को देर रात को इस मामले में फैसला लेते हुए कई दिशा निर्देश जारी किए हैं। इसके मद्देनजर सभी जिला अधिकारियों को शिकायत को लेकर उच्च स्तरीय जांच कर स्कूलों के खिलाफ कार्रवाई करने के लिए भी निर्देश दिए हैं। इसके तहत जिलाधिकारी को निर्देश दिया गया है कि स्कूलों में फीस बढ़ोतरी के खिलाफ प्रत्येक शिकयत की वह निगरानी करेंगे और उसके बारे में पूरी जांच पड़ताल करेंगे। इस संबंध में दोषी पाए जाने वाले सभी स्कूलों की मान्यता रद्द करने का भी फैसला लिया जाएगा। इसके अलावा स्कूलों के अकाउंट का ऑडिट भी किया जाएगा, जिससे यह देखा जाएगा कि किस प्राइवेट स्कूल ने हर साल किस आधार पर बिना निदेशालय की अनुमति के अपने निजी स्कूल की फीस में बढ़ोतरी की है। जिलाधिकारी को निर्देश दिया गया कि वह रिपोर्ट भी इसमें प्रस्तुत करेंगे। इस बीच शनिवार को रोहिणी सेक्टर-4 स्थित एक निजी स्कूल के बाहर कई अभिभावकों ने स्कूल की फीस बढ़ाने के खिलाफ जमकर विरोध प्रदर्शन किया। इस दौरान अभिभावकों ने स्कूल के खिलाफ नारेबाजी की। अभिभावकों ने आरोप लगाया कि स्कूल प्रशासन ने बिना किसी पूर्व सूचना के फीस बढ़ाने की सूचना जारी कर दी। इस संबंध में निदेशालय से किसी प्रकार की कोई अनुमति नहीं ली गई। निजी स्कूल की यह व्यवस्था व फैसला बिल्कुल भी उचित नहीं है। शनिवार को सुबह से लेकर दोपहर तक काफी संख्या में अभिभावक स्कूल के प्रवेश द्वार के बहार जुटे रहे। इस दौरान स्कूल के आसपास के क्षेत्र में सड़क पर यातायात भी प्रभावित रहा। दिल्ली के मॉडल टाउन के एक निजी स्कूल की फीस बढ़ाने को लेकर शनिवार को स्कूल के अभिभावक संघ ने मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता से मुलाकात की। इस दौरान मुख्यमंत्री से अभिभावक संघ को स्कूल के खिलाफ उचित कार्रवाई का आश्वासन मिला। अभिभावक संघ के प्रतिनिधि नितिन गुप्ता ने बताया कि दिल्ली में निजी स्कूल लगातार फीस बढ़ा रहे हैं। इस पर अंकुश लगाने के लिए और कोई नीति लाने की मुख्यमंत्री से मांग की। नितिन गुप्ता ने कहा कि हमें उम्मीद है कि इस पर जल्द ही राज्य सरकार फैसला करेगी। मॉडल टाउन के निजी स्कूल ने बिना शिक्षा निदेशालय की अनुमति के दो शैक्षणिक सत्र में 45 फीसदी से अधिक स्कूल फीस बढ़ा दी है। बीते वर्ष बढ़ाई गई फीस के संबंध में निदेशालय की जांच समिति की रिपोर्ट में भी यह तथ्य सामने आया था कि स्कूल ने बिना निदेशालय की अनुमति के फीस बढ़ाई।

दिल्ली में प्रॉपर्टी डीलर के ऑफिस के बाहर गोलीबारी

कार में लगा दी आग, बाइक से आए थे हमलावर

नईदिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में एक प्रॉपर्टी डीलर के ऑफिस के बाहर गोलीबारी की घटना सामने आई है। बाइक से आए हमलावरों ने वहां खड़ी प्रॉपर्टी डीलर की कार में आग लगा दी। प्रॉपर्टी डीलर घटना के समय ऑफिस में नहीं थे। पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है।

पुलिस ने बताया कि शनिवार को पूर्वी दिल्ली के मयूर विहार इलाके में एक प्रॉपर्टी डीलर के दफ्तर के बाहर कुछ बाइक सवार हमलावरों ने गोलीबारी की और उसकी कार में आग लगा दी। पुलिस के अनुसार, हमलावर कथित तौर पर प्रॉपर्टी डीलर संजय तोष को धमकाने की कोशिश कर रहे थे ताकि 30 लाख रुपए वसूले जा सकें। उन्होंने बताया कि मयूर विहार के त्रिलोकपुरी इलाके में जब यह घटना हुई तब तोष अपने घर पर थे।

पुलिस के अनुसार, एक प्रत्यक्षदर्शी मोहम्मद जैद ने बताया कि तीन दोपहिया वाहनों पर सवार होकर सात से आठ लोग मौके पर पहुंचे। उनमें से तीन लोग कार के सामने रुके, पत्थरों से उसकी खिड़कियां तोड़ दीं और पेट्रोल डालकर उसमें आग लगा दी। अधिकारी ने कहा कि जब जैद ने बीच-बचाव करने की कोशिश की तो उस पर दो गोलियां चलाई गईं। इसके अलावा हवा में और भी गोलियां चलाई गईं। इस घटना में कोई घायल नहीं हुआ। अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त विनीत कुमार ने बताया कि दोपहर 3:45 बजे एक पीसीआर कॉल मिली थी। इसमें बताया गया था कि एक कार में आग लगा दी गई है। मौके पर पहुंची पुलिस टीम ने पाया कि एक सफेद रंग की कार में आग लगा दी गई है और उसके शीशे तोड़ दिए गए हैं। उन्होंने बताया कि घटनास्थल से छह खाली कारतूस, पत्थर, पेट्रोल से भरी बोतल और माचिस बरामद की गई है। पुलिस ने घटनास्थल से एक नोट भी बरामद किया है, जिसमें तोष का नाम और फोटो है। इसमें लिखा है, संजय तोष, या तो मेरे 30 लाख रुपए लौटा दो या जुए का धंधा बंद कर दो।

दिल्ली में लू का अलर्ट, दो दिन बहुत बुरा हाल करने वाली है गर्मी

नईदिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में मौसम का मिजाज और ज्यादा गरम होने वाला है। अगले कुछ दिनों में तापमान और तेजी से बढ़ने वाला है। मौसम विभाग ने दो दिन के लिए येलो अलर्ट जारी किया है। इस दौरान राजधानी में लू चलने की आशंका जताई गई है। मौसम विभाग के मुताबिक सोमवार और मंगलवार को दिल्ली में लू चल सकती है। इन दो दिनों के लिए येलो अलर्ट भी जारी किया गया है।

दोनों ही दिन अधिकतम तापमान 40-42 डिग्री सेल्सियस तक रहने की संभावना है। सोमवार को न्यूनतम तापमान 20-22 डिग्री रह सकता है तो मंगलवार को 21 से 23 डिग्री रह सकता है। पहले विभाग ने शनिवार से लू की स्थिति बनने की आशंका जाहिर की थी लेकिन तेज हवाओं से फिलहाल यह स्थिति टल गई। शनिवार को 10 से 20 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से उत्तर पश्चिमी हवाएं चलती रहीं। इससे तापमान में बहुत ज्यादा इजाफा नहीं हुआ। साथ ही प्रदूषण से भी राहत रही। केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के मुताबिक, शनिवार को दिल्ली

का औसत वायु गुणवत्ता सूचकांक 163 रहा। इस स्तर की हवा को मध्यम श्रेणी में रखा जाता है। दिल्ली की मानक वेधशाला सफदरजंग में अधिकतम तापमान 35.7 डिग्री और न्यूनतम तापमान 19.5 डिग्री सेल्सियस रहा।

दिल्ली की सीएम रेखा गुप्ता का आम आदमी वाला कदम

नईदिल्ली, एजेंसी। जाम और पलूशन से जूझ रही दिल्ली में वीवीआईपी मूवमेंट और नेताओं के लंबे काफिले अक्सर जनता की समस्याओं में इजाफा करते हैं। ऐसे में शनिवार को दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने एक ऐसी पहल की, जिसे देखकर हर दिल्लीवाला खुश हो जाएगा। दरअसल, सीएम रेखा गुप्ता और उनके मंत्री कार पूलिंग करते नजर आए। यहां तक कि गाड़ी भी खुद मंत्री ने ही चलाई।

दिल्ली की मुख्यमंत्री और कैबिनेट के अन्य सदस्यों को केंद्र सरकार के साथ आयुष्मान भारत योजना के लिए एमओयू साइन करने जाना था। चूंकि एक ही जगह से सभी को निकलना था और एक ही जगह पहुंचना था, इसलिए मुख्यमंत्री ने सभी के लिए अलग-अलग काफिले की बजाय एक ही साथ निकलने का फैसला किया। ऐसा करके सीएम रेखा गुप्ता ने कम से कम तीन वीवीआईपी काफिले को रोक लिया। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने इसका एक वीडियो भी एक्स पर साझा किया है। मुख्यमंत्री ने एक्स पर लिखा, आज मैं और मेरी कैबिनेट के साथी, एक साथ, एक ही गाड़ी में, आयुष्मान भारत योजना के दिल्ली में क्रियान्वयन के लिए केंद्र सरकार के साथ महत्वपूर्ण समझौते के लिए गए। ये एक सुखद अनुभव रहा! कार पूलिंग करके एक तरफ जहां रेखा गुप्ता ने वीवीआईपी कल्चर को कुछ कम किया बल्कि जनता को भी एक गंतव्य के लिए एक ही गाड़ी इस्तेमाल करने का संदेश दिया। सोशल मीडिया पर भी कई लोगों ने सीएम के कदम की तारीफ की। वीडियो में दिख रहा है कि कार पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा चला रहे हैं। उनके साथ आगे की सीट पर मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता बैठी नजर आईं। वहीं, पीछे की सीटों पर पीडब्ल्यूडी मंत्री प्रवेश वर्मा और कानून मंत्री कपिल मिश्रा थे। चारों एक ही कार में बैठकर नई दिल्ली के आकाशवाणी स्थित रंग भवन पहुंचे जहां केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डी की मौजूदगी में राज्य और केंद्र सरकार के बीच समझौते पर हस्तक्षार किया गया।

मंत्री ने अमिताभ बच्चन का कहा शुक्रिया मध्य प्रदेश पीडब्ल्यूडी के लोकपथ ऐप की केबीसी में तारीख गड्ढा देखकर रिपोर्ट विभाग को भेज सकते हैं

मध्य प्रदेश की सड़कों पर गढ़ों की सूचना देने के लिए पीडब्ल्यूडी द्वारा शुरू किए गए लोकपथ एप्लीकेशन को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिल गई है हाल ही में चर्चित टीवी शो कौन बनेगा करोड़पति में इस एप्लीकेशन को लेकर फिल्म अभिनेता अमिताभ बच्चन ने एक प्रतिभागी से

सवाल किया है,यह प्रतिभागी मध्य प्रदेश के नरसिंहपुर जिले के रचित बिल्थरिया थे जिन्होंने सवाल का सही जवाब दिया मध्य प्रदेश के पीडब्ल्यूडी मंत्री राकेश सिंह ने केबीसी में मध्य प्रदेश के नवचार को स्थान देने के लिए फिल्म अभिनेता अमिताभ बच्चन को धन्यवाद दिया है।

प्रदेश में रामनवमी धूमधाम से मनाई गई, हुए कन्या भोज, भंडारे, हवन

- शिवराज ने बेटे-बहुओं के साथ कराया कन्याभोज
- खरगोन में मुस्लिम समाज ने शोभायात्रा पर की फूलों की बारिश

भोपाल (नप्र)। देशभर के साथ आज रविवार को मध्यप्रदेश में भी रामनवमी मनाई जा रही है। भगवान के जन्म से पहले मंदिरों के पट बंद कर दिए गए। दोपहर 12 बजे श्रीराम का जन्म हुआ। पट खुलते ही मंदिर जय श्रीराम के जयकारों से मंदिर गूंज उठा। रामनवमी पर सीएम डॉ. मोहन यादव नर्मदापुरम में दादा दरबार कुटी पहुंचे। यहां उन्होंने दादा गुरू भैयाजी

सरकार से भेंट कर पूजन पाठ किया। केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने परिवार के साथ रामनवमी पर अपने निवास पर कन्याभोज कराया। उन्होंने सोशल मीडिया पर इसका वीडियो भी शेयर किया।

शिवराज ने कहा, रामनवमी और नवरात्रि का नौवां दिन था। आज के दिन हमारी वर्षों पुरानी परंपरा है कन्याभोज की। बेटियां देवी का रूप होती हैं। इस दिन मैं और मेरी पत्नी साधना कन्याभोज कराते रहे हैं। लेकिन आज मेरे मन में बहुत संतोष है कि मेरे दोनों बेटे-बहुओं ने इस परंपरा को आगे बढ़ाया है। खरगोन में रघुवंशी समाज ने शोभायात्रा निकाली। शहर के मुस्लिम समुदाय ने स्वागत मंच लगाकर शोभायात्रा का स्वागत किया और पुष्पवर्षा की। प्रशासन की ओर से सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए और पूरे मार्ग पर पुलिस बल तैनात रहा।ॉ निवाड़ी जिले के ओरछा के रामराजा मंदिर में भगवान के जन्म के बाद आरती हुई। आरती में भक्त खूब झूमे। भगवान को 21 क्विंटल लड्डुओं का भोग लगाया गया। मंदिर को 25 क्विंटल फूलों से सजाया गया है। सुबह नगर में निकली शोभायात्रा में विदेशी सैलानी भी शामिल हुए। वे हरे कृष्णा, हरे रामा भजन पर श्रद्धालुओं के साथ खूब झूमे।

भिंड में भगवान राम की आरती, प्रसादी बांटी

भिंड गोहद के पास स्थित कन्यता धाम मंदिर में रामनवमी पर शाम को पूजा-अर्चना कर उत्सव मनाया गया। बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे। मंदिर के महंत ने भगवान राम की समकालीन आरती कर प्रसादी बांटी गई।

खरगोन श्रीराम, हनुमान की झांकियों के साथ निकला जुलूस

खरगोन में गौरक्षक समिति का रामनवमी का 4 बजे से जुलूस शुरू हो गया है। जुलूस में हंस पर सवार भगवान श्रीराम, माता सीता, लक्ष्मणजी व हनुमानजी सहित 8 झांकियां व उज्जैन, खंडवा व बुरहानपुर के ढोल ताशा दल शामिल है। सांसद गजेंद्र सिंह पटेल भी इसमें शामिल हुए।

मंडला में निकली वाहन रैली

मंडला में रामनवमी पर सनातन धर्मोत्सव परिवार ने वाहन रैली निकाली। खेरमाई मंदिर बिंझिया से पूजन कर प्रारंभ हुई रैली शहर के प्रमुख मार्गों से गुजरी। जगह-जगह रैली में शामिल भक्तों का पुष्पवर्षा कर स्वागत किया गया।

ओरछा में हरे कृष्णा, हरे रामा पर झूमे विदेशी सैलानी

ओरछा में रामनवमी पर निकली शोभायात्रा में विदेशी सैलानी भी शामिल हुए। वे हरे कृष्णा, हरे रामा भजन पर श्रद्धालुओं के साथ खूब झूमे।

हरित विकास और पर्यावरण संरक्षण के लिये मुख्यमंत्री नगरीय विकास योजना

पाँच वर्ष की योजना के लिये 750 करोड़ रूपये का प्रावधान

भोपाल (नप्र)। नगरीय विकास एवं आवास विभाग ने प्रदेश के नगरीय क्षेत्र में हरित स्थान विकास और सौन्दर्यपरक पर्यावरण के लिये मुख्यमंत्री नगर विकास योजना के क्रियान्वयन का निर्णय लिया है। पाँच वर्ष की इस योजना में वर्ष 2028-29 तक के लिये 750 करोड़ रूपये का प्रावधान किया गया है। यह योजना राज्य सरकार द्वारा अपने वित्तीय संसाधनों से संचालित करेगी। विभाग द्वारा प्रत्येक नगर वन के विकास के लिये अधिकतम 2 करोड़ 50 लाख रूपये की वित्तीय सहायता उपलब्ध कराई जायेगी। योजना में न्यूनतम क्षेत्रफल प्रति एकड़ 10 लाख रूपये नगर वन के सृजन के लिये नगरीय निकायों को अनुदान स्वरूप दिये जाएंगे। योजना के संबंध में नगरीय निकायों को निर्धारित प्रावधान के अनुसार प्रस्ताव भेजने के निर्देश दिये गये है।

मुख्यमंत्री जन सहभागिता निर्माण योजना: प्रदेश में नगरीय क्षेत्रों में जन-भागीदारी से नागरिकों की सुविधा के लिये अद्योसंरचना विकास के लिये मुख्यमंत्री जन-सहभागिता निर्माण'' योजना चलाने का भी निर्णय लिया है। योजना में 150 करोड़ रूपये प्रति वर्ष के मान से 5 वर्षों के लिये 750 करोड़ रूपये का प्रावधान किया गया है। योजना में प्रतिवर्ष नगरपालिक निगमों के लिये 5 करोड़ रूपये, नगरपालिकाओं को एक करोड़ रूपये और नगर परिषदों को 25 लाख रूपये का अनुदान दिया जाएगा। जन-भागीदारी एवं राज्य शासन की आर्थिक सहायता का अनुपात समान रूप से 50-50 प्रतिशत रहेगा। योजना में नगरीय क्षेत्र के मोहल्लों में सीमेंट- कांक्रिट निर्माण, सीवरेज की उचित व्यवस्था के साथ कचरे के निपटान की उचित व्यवस्था को वरीयता दी जाएगी। योजना का क्रियान्वयन वर्ष 2028-29 तक किया जाएगा।

प्रदेश में सरकारी वाहनों को इलेक्ट्रिक वाहन में परिवर्तित करने का कार्यक्रम: प्रदेश में नगरीय विकास एवं आवास विभाग ने शासकीय वाहनों को 80 प्रतिशत तक इलेक्ट्रिक वाहनों में परिवर्तित करने का कार्यक्रम बनाया है। भोपाल, इंदौर, जबलपुर, ग्वालियर और उज्जैन को ईव्ही मॉडल सिटी के रूप में विकसित किया जाएगा। प्रदेश में इलेक्ट्रिक वाहन के लिये हर 20 कि.मी. पर चार्जिंग स्टेशन और हाई-वे पर 100 कि.मी. पर फास्ट चार्जिंग सुविधा स्थापित करने का कार्य शुरू कर दिया गया। मध्यप्रदेश की ईव्ही नीति में सार्वजनिक चार्जिंग स्टेशन खोलने पर सब्सिडी का प्रावधान भी किया गया है। इसके अलावा प्रधानमंत्री ई-बस सेवा योजनांतर्गत 6 शहरों भोपाल, इंदौर, ग्वालियर, जबलपुर, सागर और उज्जैन में 552 शहरी बसों के संचालन पर तेजी से कार्य किया जा रहा है।

शराब दुकान खुलने पर अर्थी सजाई, फूंका पुतला

भोपाल के सेमरा में प्रदर्शन, महिलाएं भी मैदान में उतरी, बोलीं- उग्र आंदोलन करेंगी

भोपाल (नप्र)। भोपाल के सेमरा गेट साईंराम कॉलोनी में शराब की दुकान खुलने के विरोध में रविवार को सैकड़ों लोग सड़क पर उतर गए। उन्होंने प्रतीकात्मक शव यात्रा निकाली और फिर आबकारी विभाग का पुतला फूंका। उनका कहना था कि पिछले 6 दिन से प्रदर्शन कर रहे हैं, लेकिन विभाग के जिम्मेदारों ने अब तक कोई फैसला नहीं लिया। मौके को चप्पल-जूतों से भी मारा। साथ ही नारेबाजी की।

पुलिस मौके पर पहुंची, समझाइश दी: इधर, प्रदर्शन की जानकारी मिलते ही अशोका गार्डन पुलिस मौके पर पहुंची और लोगों को समझाकर शांत कराया। लोगों का कहना है कि लगातार विरोध के बाद भी दुकान नहीं हटेंगी तो उग्र आंदोलन किया जाएगा। इससे पहले लोग

एमपी में राजस्थान से सटे जिलों में चलेगी लू

आज से 3 दिन हीट वेव का अलर्ट, 9 अप्रैल को पांच जिलों में बारिश के आसार

भोपाल (नप्र)। मध्यप्रदेश में धूप लगातार तीखी और हवा गर्म होती जा रही है। आज 7 अप्रैल से राजस्थान से जुड़े एमपी के कुछ जिलों में लू भी चलेगी। वहीं, वेस्टर्न डिस्टरबेंस (पश्चिमी विक्षोभ) के एक्टिव होने से 9 अप्रैल को सिंगरौली, अनूपपुर, डिंडोरी, मंडला और बालाघाट में हल्की बारिश हो सकती है। हालांकि, प्रदेश के उत्तरी और पश्चिमी हिस्से में लू का अलर्ट भी है।

मौसम विभाग, भोपाल की सीनियर वैज्ञानिक डॉ. दिव्या ई. सुरेंद्रन ने बताया- पिछले दिनों एक्टिव रहा ओले-बारिश का सिस्टम आगे बढ़ गया है। इससे मध्यप्रदेश में गर्मी बढ़ गई है। 7 अप्रैल से राजस्थान से जुड़े जिलों में हीट वेव का असर देखने को मिलेगा। 8 अप्रैल को वेस्टर्न डिस्टरबेंस के एक्टिव होने का अनुमान है। इसकी वजह से पूर्वी हिस्से में मौसम बदला रहेगा।

एमपी में सबसे गर्म नर्मदापुरम, पहली बार पारा 42 डिग्री पार

मौसम विभाग के अनुसार, पिछले 24 घंटे में छिंदवाड़ा, सिवनी और पांढुर्णा में हल्की बूंदाबांदी हुई। वहीं, सिवनी में 30 किमी प्रतिघंटा की रफ्तार से हवा चली। शनिवार को नर्मदापुरम प्रदेश में सबसे गर्म रहा। यहां सीजन में पहली बार पारा 42.6 डिग्री सेल्सियस पहुंच गया। इसी तरह

खजुराहो (छतरपुर) में 41.6 डिग्री, रतलाम में 41.5 डिग्री, दमोह में 40.5 डिग्री, धार में 40.1 डिग्री, मंडला, सागर और सतना में पारा 40 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया। बड़े शहरों की बात करें तो भोपाल में 39 डिग्री, इंदौर में 38.8 डिग्री, ग्वालियर में 38 डिग्री, उज्जैन में 39.4 डिग्री और जबलपुर में पारा 38.5 डिग्री सेल्सियस रहा। मौसम विभाग ने रविवार को पारे में बढ़ोतरी की संभावना जताई है।

अप्रैल में 7 से 10 दिन चल सकती है लू: मध्यप्रदेश में अप्रैल महीने में मौसम का मिला-जुला असर देखने को मिलेगा। पहले और दूसरे सप्ताह में हल्की बारिश हो सकती है। वहीं, दूसरे सप्ताह से लू भी चलेगी। सबसे गर्म आखिरी सप्ताह रहेगा। दिन का तापमान 45 डिग्री सेल्सियस पार हो सकता है।

मौसम केंद्र भोपाल के वैज्ञानिक निदेशक डॉ. वेदप्रकाश सिंह ने बताया- इस बार तापमान के सामान्य से अधिक रहने की संभावना है। वहीं, प्रदेश में अप्रैल महीने में 7 से 10 दिन तक हीट वेव यानी लू का असर देखने को मिल सकता है।

रणजीत टाइम्स
इंदौर, सोमवार 7 अप्रैल 2025
03
DIGITAL EDITION

शीश महल में प्रभु श्रीराम के दर्शन

रणजीत हनुमान मंदिर में सजा था भव्य दरबार, थ्री-लेयर दर्शन व्यवस्था थी, दोपहर 12 बजे हुई आरती

इंदौर (एजेंसी)। रामनवमी पर शहर के प्रमुख राम मंदिरों को भव्य रूप से सजाया गया है। कई स्थानों से धार्मिक यात्राएं भी निकलेंगी। खास आकर्षण शहर का प्राचीन रणजीत हनुमान मंदिर है। जिसे इस बार शीश महल का रूप में सजाया गया है। प्रभु श्रीराम शीश महल में अपने भक्तों को दर्शन दे रहे हैं। मंदिर को मथुरा-वृंदावन और इंदौर के कलाकारों द्वारा सजाया गया है। श्रीखंड और साबूदाने की खिचड़ी का प्रसाद भी भक्तों को वितरित किया जाएगा। रणजीत हनुमान मंदिर के मुख्य पुजारी पं.दीपेश व्यास ने बताया कि कलाकारों द्वारा मंदिर को महल के रूप में सजाया जा रहा है। विशेष रूप से प्रभु श्रीराम के महल की कलाकृति

को शीश के झरोखे, झूमर, पर्दे और डिजाइनर आर्टिकल का इस्तेमाल किया गया है। महल तैयार करने के लिए लगभग 7 हजार रनिंग फीट लकड़ी और 600 से 700 मीटर कपड़े का इस्तेमाल किया गया है। विभिन्न प्रकार के कांच के कट पीस से कलात्मक डिज़ाइन तैयार की गई है। इसे सुंदरता देने के लिए डिजाइनर आर्टिकल का इस्तेमाल किया गया है।

सुबह भगवान का हुआ अभिषेक

मंदिर के मुख्य पुजारी पं.दीपेश व्यास ने बताया कि सुबह 6 बजे सात दिवसीय अखंड रामायण की स्थापना की जाएगी। 7.30 बजे भगवान श्रीराम का अभिषेक किया जाएगा। इसके बाद सुबह 9 बजे भगवान का शृंगार शुरू होगा। दोपहर 12 बजे भगवान की जन्मोत्सव आरती की जाएगी।

थ्री स्टेप में भगवान के दर्शन

मंदिर में सुबह से ही भक्तों के आने का सिलसिला शुरू हो जाएगा। हजारों भक्त मंदिर में भगवान के दर्शन करने के लिए आते हैं। भक्तों को दर्शन करने में परेशानी न हो और जल्द दर्शन हो सके इसके लिए थ्री स्टेप में व्यवस्था की गई है, ताकि एक बार में कई भक्त एक साथ दर्शन कर सके।

कूलर और एलईडी के साथ पानी की थी व्यवस्था

मंदिर परिसर में 10 बाय 16 की एक एलईडी भी लगाई जाएगी। जिस पर लाइव दर्शन भक्त कर सकेंगे। इसके अलावा 20 से ज्यादा कूलर मंदिर परिसर में लगाए जाएंगे। भक्तों के लिए ठंडे पानी की व्यवस्था भी यहां की जाएगी। 200 से ज्यादा भक्त मंडल के सदस्य व्यवस्थाओं को संभालेंगे। साथ ही 30 सुरक्षा गार्ड भी यहां लगाए जाएंगे।

इंदौर-भोपाल में होगा पर्यावरण अनुकूल आर्किटेक्चर सम्मेलन

40 देशों के विशेषज्ञ होंगे शामिल; आईआईए नैटकॉन में नहीं होगा डिस्पोजेबल आइटम्स का इस्तेमाल

इंदौर (एजेंसी)। इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ आर्किटेक्ट्स (आईआईए) एमपी चैप्टर द्वारा देश की सबसे बड़ी आर्किटेक्चरल कॉन्फ्रेंस 'आईआईए नैटकॉन 2025' का आयोजन 11 से 13 अप्रैल तक किया जा रहा है। इस कॉन्फ्रेंस में भाग लेने के लिए अमेरिका, यूके और जर्मनी सहित विश्वभर के शीर्ष आर्किटेक्ट्स इंदौर पहुंचेंगे। साथ ही देशभर के 2000 से अधिक आर्किटेक्ट्स भी शामिल होंगे। कॉन्फ्रेंस की थीम 'ट्रांसम' है, जिसका अर्थ है सेतू। इस थीम के तहत आयोजन में होने वाले 15 से अधिक सेशन्स में पारंपरिक और आधुनिक वास्तुकला के बीच सेतु स्थापित करने का प्रयास किया जाएगा। यह सम्मेलन नए विचारों, रचनात्मकताओं और प्रयोगों के बीच भी एक सेतु की तरह काम करेगा। इसमें विश्व की विभिन्न संस्कृतियों और नगरों का संगम भी देखने को मिलेगा। सम्मेलन में भारत की समृद्ध वास्तुकला को संरक्षित करते हुए नवाचार को अपनाने पर भी विचार-विमर्श होगा। आईआईए के वाइस प्रेसिडेंट आर्किटेक्ट जितेंद्र मेहता ने बताया कि इस सम्मेलन का उद्देश्य देश और दुनिया के श्रेष्ठ आर्किटेक्ट्स को एक मंच पर लाकर नई पीढ़ी के आर्किटेक्ट्स को प्रेरित करना है, ताकि वे ऐसे कॉन्सेप्ट्स पर कार्य कर सकें, जो इतिहास और भविष्य के बीच संतुलन बनाए रखें। सम्मेलन के पहले दिन 11 अप्रैल को सभी सेशंस भोपाल में आयोजित होंगे। आईआईए इंदौर सेंटर के चेयरमैन आर्किटेक्ट नितिन घुले ने बताया कि 12 और 13 अप्रैल के सेशन्स इंदौर के ब्रिलिएंट कन्वेंशन सेंटर में होंगे। इसके अलावा,आर्किटेक्ट्स उज्जैन जाकर महाकाल की भस्मारती में शामिल होंगे और

वहां की आध्यात्मिक वास्तुकला का अनुभव करेंगे।

सस्टेनेबल डिज़ाइन और हेरिटेज पर होगी चर्चा: यह पूरा सम्मेलन कार्बन न्यूट्रल रहेगा। इंदौर सेंटर की सेक्रेटरी आर्किटेक्ट स्नेहल सोनटक्के ने बताया कि कार्यक्रम में डिस्पोजेबल आइटम्स का उपयोग नहीं किया जाएगा। फ्लैक्स और अन्य प्रिंटिंग का कार्य रिसाइकल जूट पर किया जाएगा। प्रयास यह भी रहेगा कि लाइट का उपयोग न्यूनतम किया जाए। एमपी चैप्टर के सेक्रेटरी आर्किटेक्ट मनोज श्रीमाल ने बताया सम्मेलन 11 अप्रैल को भोपाल से शुरू होगा। 12 अप्रैल को सभी आर्किटेक्ट्स इलेक्ट्रिक बसों द्वारा इंदौर पहुंचेंगे। इस दौरान वे स्थानीय धरोहर स्थलों को देखेंगे। साथ ही एक कॉलेज में बायो पार्क की स्थापना की जाएगी। जिसमें औषधीय और फलदार प्रजातियों के 300 से अधिक पौधे लगाए जाएंगे। सम्मेलन में आर्किटेक्चर की नवीनतम तकनीकों के साथ-साथ सस्टेनेबल डिजाइन और अर्बन प्लानिंग पर भी विस्तृत चर्चा की जाएगी। कॉन्फ्रेंस में मारियाना कैबुगुएरा, काई-उबे बर्गमैन, लॉरेंस वोंग, हसन रगब, अनुपमा कुंडू जैसे प्रतिष्ठित आर्किटेक्ट्स विशेषज्ञ वक्ता के रूप में शामिल होंगे।

मालवा आर्किटेक्चरल फेस्टिवल भी होगा: भोपाल और इंदौर के मध्य स्थित अरण्य रिसॉर्ट में 12 अप्रैल को मालवा आर्किटेक्चरल फेस्टिवल का आयोजन किया जाएगा। इस फेस्टिवल के माध्यम से देश और दुनिया के आर्किटेक्ट्स को मालवा की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत से रूबरू होने का अवसर मिलेगा। यहां मालवी भोजन, लोककलाओं की विविधता और भगोरिया की मस्ती का आनंद लिया जा सकेगा।

41 साल बाद मध्य प्रदेश में नैटकॉन

41 सालों बाद नैटकॉन मध्य प्रदेश में आयोजित हो रही है। पुर्तगाल की आर्किटेक्ट मारियाना कैबुगुएरा (मेटावर्स और अर्बन डिजाइनिंग एक्सपर्ट), 40 देशों में कार्य कर चुके आर्किटेक्ट काई-उबे बर्गमैन और एआई के माध्यम से प्राचीन वास्तुकला को संरक्षित करने वाले मिस्र के हसन रगब की कीनोट स्पीच विशेष रहेंगे।

बकाया पैसे के इंतजार में 1100 फैमिली

इंदौर की हुकुमचंद मिल के मजदूर परिवारों ने कहा कैसे लाएं 70 साल पहले का डेथ सर्टिफिकेट

इंदौर (एजेंसी)। 34 सालों से अपने खून-पसीने की गाढ़ी कमाई के रुपए हासिल करने के लिए हुकुमचंद मिल के 1100 से ज्यादा मजदूर परिवारों को अब भी संघर्ष करना पड़ रहा है। खास बात यह कि 2 साल पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती पर इंदौर में आयोजित कार्यक्रम में मजदूरों की बकाया राशि मिलने की प्रोसेस की शुरुआत वर्चुअली की थी।

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने परिसमापक को 224 करोड़ रुपए का चेक सौंपा था। ताकि मजदूर परिवार को बड़ी राहत मिले। यह राशि वितरण के लिए तीन कैटेगरी बनाई गई थी। पहली कैटेगरी उन मजदूरों की है जो जीवित हैं।

दूसरी कैटेगरी वह है जिनमें मजदूरों का निधन हो गया है और वारिस पत्नी है। तीसरी कैटेगरी में मजदूर और पत्नी दोनों का निधन हो गया है और बकाया राशि थर्ड पार्टी यानी बेटा-बेटी को मिलना है। इनमें से पहली और दूसरी कैटेगरी के पीड़ितों को उनकी बकाया राशि लगभग मिल गई लेकिन तीसरी कैटेगरी के 1100 से ज्यादा परिवारों को 2 साल बाद भी एक रुपया नहीं मिला है। इनसे आज भी वर्षों पहले जिस मां का निधन हो चुका है उनका डेथ सर्टिफिकेट मांगा जा रहा है। सालों पहले ब्याही गई बेटी से पिता के नाम का प्रमाण पत्र मांगा जा रहा है। 2 साल पहले मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मिल के मजदूरों के लिए चेक सौंपा था।

परिवार में कोई बीमार तो किसी के यहां शादी

बकाया राशि नहीं देने का कारण दस्तावेजी पेंच हैं। कारण भी ऐसे जैसे सालों पहले जिस मां (वारिस) का निधन हो चुका है, उनका मृत्यु प्रमाणपत्र पेश करें। सालों पुराना राशन कार्ड जिनमें भाई-बहन के नाम थे, लाने को कहा गया। ऐसे कई परिवार हैं जिनमें पिता और मां के निधन के बाद बेटी ही वारिस हैं लेकिन उनकी भी सालों पहले शादी हो चुकी है। उनसे पति के नाम और सरनेम वाला प्रमाण नहीं, बल्कि जिसमें पिता के नाम का प्रमाण लाने को कहा गया है।इसके चलते वे 2 साल से परिसमापक कार्यालय और हुकुमचंद मिल के चक्कर लगा रहे हैं। इन्हें रुपयों की सख्त जरूरत है। क्योंकि किसी के परिवार में कोई गंभीर बीमार है तो किसी के यहां शादी है।

गंभीर खतरे की घंटी है प्लास्टिक एवं माइक्रोप्लास्टिक

अमेजन एवं फिलीपकार्ट जैसे आनलाइन व्यवसायी प्रतिदिन 7 हजार किलो प्लास्टिक पैकेजिंग बैग का उपयोग करते हैं। सरकारों के पास किसी भी नियम या अभियान को अमल में लाने के लिये सारे संसाधन उपलब्ध हैं, इन कम्पनियों को भी प्लास्टिकमुक्त भारत के घेरे में लेने के लिये कठोर कदम उठाने चाहिए। ऐसे में सवाल उठना स्वाभाविक है कि देश में सिंगल यूज प्लास्टिक के प्रयोग पर प्रतिबंध के बावजूद ये खुलेआम बिक क्यों रहा है? दुकानदारों व उपभोक्ताओं को तो इसके उपयोग पर दंडित करने का प्रावधान है, लेकिन सिंगल यूज प्लास्टिक उत्पादित करने वाले उद्योगों पर प्रतिबंध क्यों नहीं लगाया जाता? संकट का एक पहलू यह भी है कि लोग सुविधा को प्राथमिकता देते हैं, लेकिन प्लास्टिक के दूरगामी घातक प्रभावों को लेकर आंख मूंद लेते हैं। यह संकट हमारी जिम्मेदार नागरिक के रूप में भूमिका की जरूरत भी बताता है।

ललित गर्ग

प्रकृति को पस्त करने, वायु एवं जल प्रदूषण, कृषि फसलों पर घातक प्रभाव, मानव जीवन एवं जीव-जन्तुओं के लिये जानलेवा साबित होने के कारण समूची दुनिया में बढ़ते प्लास्टिक एवं माइक्रोप्लास्टिक के कण एक बड़ी चुनौती एवं संकट है। पिछले दिनों एक अध्ययन में मनुष्य के मस्तिष्क में प्लास्टिक के नैनो कणों के पहुंचने पर चिंता जतायी गई थी। दावा था कि प्रतिदिन सैकड़ों माइक्रोप्लास्टिक कण सांसों के जरिये हमारे शरीर में प्रवेश कर जाते हैं। ऐसे तमाम नये राष्ट्रीय-अंतर्राष्ट्रीय शोध-सर्वेक्षण-अध्ययन चेतावनी दे रहे हैं कि हमारी सांसों, पेयजल व फसलों में घातक माइक्रोप्लास्टिक की मौजूदगी एक गंभीर संकट है। विश्व की कई शोध पत्रिकाओं में छपे शोध-लेख समय-समय पर विभिन्न अध्ययनों के चेताने वाले निष्कर्ष प्रकाशित करते रहते हैं। संकट तो यहां तक बढ़ गया है कि प्लास्टिक के कण पौधों की प्रकाश संश्लेषण प्रक्रिया को प्रभावित करने लगे हैं, जिससे खाद्य श्रृंखला में शामिल कई खाद्यान्नों की उत्पादकता में गिरावट आ रही है। ऐसा निष्कर्ष अमेरिका-जर्मनी समेत कई देशों के साझे अध्ययन के बाद सामने आया है। दरअसल, प्लास्टिक कणों के हस्तक्षेप के चलते पौधों के भोजन सृजन की प्रक्रिया बाधित हो रही है। इस तरह माइक्रोप्लास्टिक की दखल भोजन, हवा व पानी में होना न केवल प्रकृति, कृषि, पर्यावरण वरन मानव अस्तित्व के लिये गंभीर खतरे की घंटी ही है। जिसे बेहद गंभीरता से लिया जाना चाहिए और सरकारों को इस संकट से मुक्ति की दिशाएं उद्घाटित करने के लिये योजनाएं बनानी चाहिए।

माइक्रोप्लास्टिक हमारे वातावरण का एक हिस्सा बन चुके हैं। प्लास्टिक की बहुलता एवं निर्भरता के कारण मौत हमारे सामने मंडरा रही है। हम चाहकर भी प्लास्टिकमुक्त जीवन की कल्पना नहीं कर पा रहे हैं, क्योंकि माइक्रोप्लास्टिक जीवन में हैं, हवा में हैं, पानी में हैं, नदी में हैं, समुद्र में हैं, बारिश में हैं, और इन सबके चलते वे हमारे भोजन में भी हैं, हम मनुष्यों के भी, पशुओं के भी और शायद सभी प्राणियों के जीवन में भी हैं। लगातार दूषित होते जल, जलवायु परिवर्तन, जैव विविधता और भूमि क्षरण जैसे मुद्दों पर सरकार की जागरूकता एवं सहयोग का भरोसा दिलाया जाता रहा है। प्लास्टिक प्रदूषण के खतरों को देखते हुए सरकार ने ठान लिया है कि भारत में सिंगल यूज प्लास्टिक के लिए कोई जगह नहीं होगी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पूर्व में ही देश को स्वच्छ भारत मिशन के तहत प्लास्टिक कचरे से मुक्त करने की अपील करते हुए एक महाभियान का शुभारंभ कर चुके हैं। प्लास्टिक के कारण देश ही नहीं, दुनिया में विभिन्न तरह की समस्याएं पैदा हो रही हैं। इसके सीधे खतरे दो तरह के हैं। एक तो प्लास्टिक में ऐसे बहुत से रसायन होते हैं, जो कैंसर का कारण माने जाते हैं। इसके अलावा शरीर में ऐसी चीज जा रही है, जिसे हजम करने के लिए हमारा शरीर बना ही नहीं है, यह भी कई तरह से सेहत की जटिलताएं पैदा कर रहा है। इसलिए आम लोगों को ही इससे मुक्ति का अभियान छेड़ना होगा, जागृति लानी होगी।

चिंता की बात यह भी है कि विकासशील देशों में सरकारें रोटी, कपड़ा व मकान जैसी मूलभूत सुविधाओं के जुगाड़ में लगे रहने और गरीबी की समस्या से जूझते हुए, स्वास्थ्य के उन उच्च गुणवत्ता मानकों को वरीयता नहीं दे पाती, जो अंतर्राष्ट्रीय मापदंडों के अनुरूप हों। शोधकर्ताओं ने केरल में दस प्रमुख ब्रांडों के बोतलबंद पानी को अध्ययन का विषय बनाया है। अध्ययन का निष्कर्ष है कि प्लास्टिक की बोतल के पानी का इस्तेमाल करने वाले व्यक्ति के शरीर में प्रतिवर्ष 153 हजार प्लास्टिक कण प्रवेश कर जाते हैं। निश्चय ही यह चिंता का विषय है। हालांकि, सर्वेक्षण के लिये केरल को ही चुनना और बोतलबंद पानी बेचने वाली भारतीय कंपनियों को चुनने को लेकर कई सवाल पैदा हो सकते हैं। पिछली सदी में जब प्लास्टिक के विभिन्न रूपों का अविष्कार हुआ, तो उसे विज्ञान और मानव सभ्यता की बहुत बड़ी उपलब्धि माना गया था, अब जब हम न तो इसका विकल्प तलाश पा रहे हैं और न इसका उपयोग ही रोक पा रहे हैं, तो क्यों न इसे विज्ञान और मानव सभ्यता की सबसे बड़ी असफलता एवं त्रासदी मान लिया जाए?

वैज्ञानिकों ने पाया है कि प्लास्टिक हम सबके शरीर में किसी-न-किसी के रूप में पहुंच रहा है। कैसे पहुंच रहा है, इसे जानने के लिए हमें पिछले दिनों अमेरिका के कोलोराडो में हुए एक अध्ययन के नतीजों को समझना होगा। अमेरिका के जियोलॉजिकल सर्वे ने यहां बारिश के पानी के नमूने जमा किए। ये नमूने सीधे आसमान से गिरे पानी के थे, बारिश की वजह से सड़कों या खेतों में बह रहे पानी के नहीं। जब इस पानी का विश्लेषण हुआ, तो पता चला कि लगभग 90 फीसदी नमूनों में प्लास्टिक के बारीक कण या रेशे थे, जिन्हें माइक्रोप्लास्टिक कहा जाता है। ये इतने सूक्ष्म होते हैं कि हम इन्हें आंखों से नहीं देख पाते। देखने में आ रहा है कि कथित आधुनिक समाज एवं विकास का प्रारूप अपने को कालजयी मानने की गफलत पाले हुए है और उसकी भारी कीमत माइक्रोप्लास्टिक के कहर के रूप में चुका रहा है। लगातार पांव पसार रही माइक्रोप्लास्टिक की तबाही इंसानी गफलत को उजागर तो करती रही है, लेकिन समाधान का कोई रास्ता प्रस्तुत नहीं कर पाई। ऐसे में अगर मोदी सरकार ने कुछ ठानी है तो उसका स्वागत होना ही चाहिए। क्या कुछ छोटे, खुद कर सकने योग्य कदम नहीं उठाये जा सकते? पूरी दुनिया के लिए सिरदर्द बन चुके जल और वायु प्रदूषण से बचने के लिए विश्वभर में नए-नए उपाय किए जा रहे हैं। जबकि प्लास्टिक प्रदूषण की उससे भी ज्यादा खतरनाक एवं जानलेवा स्थिति है, यह एक ऐसी समस्या बनकर उभर रही है, जिससे निपटना अब भी दुनिया के ज्यादातर देशों के लिए एक बड़ी चुनौती है। कुछ समय पहले एक खबर ऐसी भी आई थी कि एक चिड़ियाघर के दरियाई घोड़े का निधन हुआ, तो उसका पोस्टमार्टम करना पड़ा, जिसमें उसके पेट से भारी मात्रा में प्लास्टिक की थैलियां मिलीं, जो शायद उसने भोजन के साथ ही निगल ली थीं। लेकिन अगर आप सोचते हैं कि प्लास्टिक सिर्फ हमारे आस-पास रहने वाले अबोध जानवरों के पेट में ही पहुंच रहा है, तो आप गलत हैं।

अध्ययन में पता चला था कि लगभग सभी ब्रांडेड बोतल बंद पानी में भी प्लास्टिक के ये सूक्ष्म कण मौजूद हैं। कनाडाई वैज्ञानिकों द्वारा माइक्रोप्लास्टिक कणों पर किए गए विश्लेषण में चौंकाने वाले नतीजे मिले हैं। विश्लेषण में पता चला है कि एक वयस्क पुरुष प्रतिवर्ष लगभग 52000 माइक्रोप्लास्टिक कण केवल पानी और भोजन के साथ निगल रहा है। इसमें अगर वायु प्रदूषण को भी मिला दें तो हर साल करीब 1,21,000 माइक्रोप्लास्टिक कण खाने-पानी और सांस के जरिए एक वयस्क पुरुष के शरीर में जा रहे हैं। दरअसल, अंतर्राष्ट्रीय बाजार में बोतलबंद पानी बेचने का बड़ा प्रतिस्पर्धी कारोबार है। आम आदमी के मन में सवाल उठ सकते हैं कि कहीं भारतीय बोतलबंद पेय बाजार को तो निशाने पर नहीं लिया जा रहा है। दुनिया के बड़े कारोबारी देश भारत के बड़े उपभोक्ता बाजार पर ललचाई दृष्टि रखते हैं। इसके बावजूद मुद्दा गंभीर है और हमारी सरकारों को अपने स्तर पर गंभीर जांच-पड़ताल करनी चाहिए।

अमेजन एवं फिलीपकार्ट जैसे आनलाइन व्यवसायी प्रतिदिन 7 हजार किलो प्लास्टिक पैकेजिंग बैग का उपयोग करते हैं। सरकारों के पास किसी भी नियम या अभियान को अमल में लाने के लिये सारे संसाधन उपलब्ध हैं, इन कम्पनियों को भी प्लास्टिकमुक्त भारत के घेरे में लेने के लिये कठोर कदम उठाने चाहिए। ऐसे में सवाल उठना स्वाभाविक है कि देश में सिंगल यूज प्लास्टिक के प्रयोग पर प्रतिबंध के बावजूद ये खुलेआम बिक क्यों रहा है? दुकानदारों व उपभोक्ताओं को तो इसके उपयोग पर दंडित करने का प्रावधान है, लेकिन सिंगल यूज प्लास्टिक उत्पादित करने वाले उद्योगों पर प्रतिबंध क्यों नहीं लगाया जाता? संकट का एक पहलू यह भी है कि लोग सुविधा को प्राथमिकता देते हैं, लेकिन प्लास्टिक के दूरगामी घातक प्रभावों को लेकर आंख मूंद लेते हैं। यह संकट हमारी जिम्मेदार नागरिक के रूप में भूमिका की जरूरत भी बताता है।

प्रॉपर्टी व्यापारी ने खुद को सिर में मारी गोली

इंदौर। इंदौर के विजयनगर इलाके में रहने वाले एक प्रॉपर्टी व्यापारी ने रविवार दोपहर खुद को गोली मार ली। जिसके बाद उन्हें इलाज के लिए एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जहां उनकी हालत गंभीर बनी हुई है। पुलिस के अनुसार, फिलहाल परिजनों के बयान दर्ज नहीं किए गए हैं, लेकिन व्यापारी किसी गंभीर बीमारी से पीड़ित थे।

टीआई चंद्रकांत पटेल के मुताबिक, घटना शीतल नगर की है। यहां रहने वाले पूरनमल राठौर ने लाइसेंसी पिस्टल से अपने सिर में गोली मार ली। गोली की आवाज सुनकर परिजन कमरे की ओर दौड़े, जहां वे खून से लथपथ तड़पते मिले। इसके बाद उन्हें तत्काल पास के मेंदाता अस्पताल में भर्ती कराया गया और पुलिस को

सूचना दी गई। परिजन ने पुलिस को बताया कि पूरनमल राठौर लंबे समय से गंभीर बीमारी से जूझ रहे थे। फिलहाल उनकी हालत नाजुक बनी हुई है। उनके परिवार में एक बेटा है, जो मेडिकल स्टोर का संचालन करता है, जबकि बेटी की शादी हो चुकी है।

समाज की राष्ट्रीय कार्यकारिणी में रह चुके हैं पदाधिकारी

पूरनमल राठौर समाज के कई प्रमुख पदों पर रह चुके हैं। वे राठौर समाज की राष्ट्रीय कार्यकारिणी में भी पदाधिकारी रह चुके हैं। विजयनगर क्षेत्र में उनके कई हॉस्टल और अन्य प्रॉपर्टी हैं। घटना की सूचना मिलते ही समाज के कई वरिष्ठजन अस्पताल पहुंचे।

पीएसजी ने 13वीं बार लीग-1 का खिताब जीता

ला लिगा में रियल मैड्रिड हारा, बार्सिलोना को बेटिस ने रोका

लंदन, एजेंसी। पीएसजी की यह 28 मैच में 23वीं जीत है और उसने दूसरे स्थान पर काबिज मोनाको पर 24 अंक की बड़ी बढ़त हासिल कर ली है। पीएसजी के 74 और मोनाको के 50 अंक हैं। मोनाको को एक अन्य मैच में ब्रेस्ट ने 2-1 से हराया। पेरिस सेंट जर्मेन (पीएसजी) ने अपना अजेय अभियान जारी रखते हुए शनिवार एंजर्स को 1-0 से हरा दिया। इसके साथ ही उसने छह मैच शेष रहते हुए ही फ्रांसीसी फुटबॉल लीग, जिसे लीग-1 भी कहा जाता है, उसका खिताब अपने नाम किया। पीएसजी का यह लीग-1 में 13वां खिताब है और इस तरह से उसने अपने ही रिकॉर्ड में सुधार किया। वहीं, विनीसियस जूनियर पेनल्टी पर गोल करने से चूक गए और इस वजह से रियाल मैड्रिड को स्पैनिश फुटबॉल लीग ला लिगा में अपने घरेलू मैदान पर वालेंसिया के हाथों 2-1 से हार का सामना करना पड़ा।

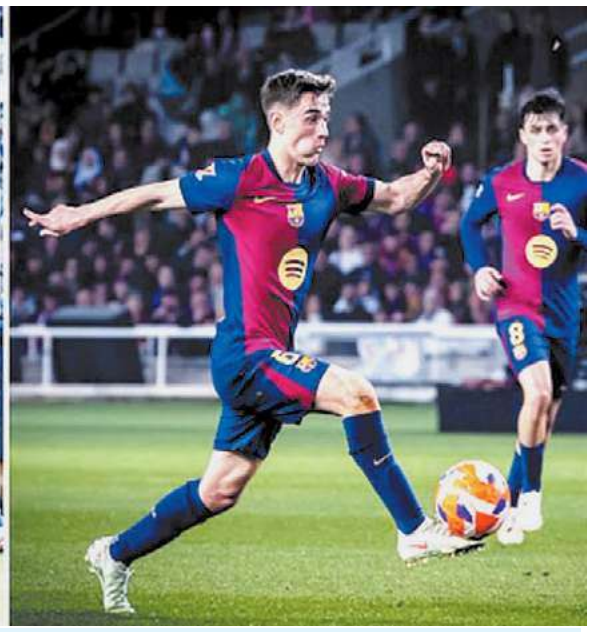

पीएसजी की जीत है खास

पीएसजी की यह जीत इसलिए भी खास है क्योंकि उसने चैंपियन बनने की राह तक एक भी मैच नहीं गंवाया। ट्रॉफी अपने नाम पर सुरक्षित करने के लिए उसको एंजर्स के खिलाफ केवल ड्रॉ की जरूरत थी, लेकिन युवा स्ट्राइकर डेसिरे डौए के गोल की मदद से उसने जीत के साथ जश्न मनाया। मैच समाप्त होने के बाद पीएसजी के खिलाड़ियों ने कोच लुई एनरिक को कंधे पर उठा लिया। पीएसजी की यह 28 मैच में 23वीं जीत है और उसने दूसरे स्थान पर काबिज मोनाको पर 24 अंक की बड़ी बढ़त हासिल कर ली है। पीएसजी के 74 और मोनाको के 50 अंक हैं। मोनाको को एक अन्य मैच में ब्रेस्ट ने 2-1 से हराया। पीएसजी ने अपने अभियान में अभी तक 80 गोल किए हैं, जबकि उसने केवल 26 गोल खाए हैं।

- **बार्सिलोना और रियल मैड्रिड को मिली हार** - बार्सिलोना के पास ला लिगा की तालिका में अपनी बढ़त मजबूत करने का सुनहरा मौका था, लेकिन लामिने यमाल और कुछ खिलाड़ियों द्वारा गोल का मौका चूकने की वजह से टीम जीत नहीं हासिल कर सकी। बार्सिलोना के लिए एकमात्र गोल गावी ने सातवें मिनट में दागा, जबकि बेटिस के लिए गोल नतान ने 17वें मिनट में किया। इसके बाद कोई गोल नहीं हो सका। वहीं, इससे पहले वालेंसिया ने शानदार खेल दिखाते हुए रियल मैड्रिड को हरा दिया। वालेंसिया के गोलकीपर जियोर्गी ममार्दशविली ने विनीसियस को शुरू में मिली पेनल्टी पर गोल नहीं करने दिया। इसके बाद 17वें मिनट में मोक्टार डायखाबी ने वालेंसिया को आगे कर दिया। विनीसियस ने 50वें मिनट में बराबरी का गोल किया। हालांकि, इंजरी टाइम यानी 90+5वें मिनट में ह्यूगो डूरो ने गोल दाग रियल मैड्रिड की उम्मीदों पर पानी फेर दिया। इस मैच के ड्रॉ छूटने से बार्सिलोना के 30 मैच में 67 अंक हो गए हैं और उसने दूसरे स्थान पर काबिज रियाल मैड्रिड पर चार अंक की बढ़त हासिल कर ली है।

सिनर बोले-डोपिंग मामले में मेरे फिजियो की गलती

टेस्ट पॉजिटिव आने के बाद बैन हुए थे, रोम मास्टर्स से करेंगे वापसी

नई दिल्ली, एजेंसी। वर्ल्ड नंबर 1 इटालियन टेनिस खिलाड़ी जैनिक सिनर पर डोपिंग के चलते वर्ल्ड एंटी डोपिंग एसोसिएशन (वाडा) ने हाल ही में बैन लगाया था। पिछले साल उनके 2 डोपिंग टेस्ट पॉजिटिव आने के बाद उनपर इस साल 9 फरवरी से 4 मई तक का बैन लगाया गया था। दरअसल, मार्च 2024 में हुए इंडियन वेल्स टूर्नामेंट के दौरान उनके शरीर में एक क्लोस्टेबोल नामक प्रतिबंधित पदार्थ पाया गया। यह पदार्थ उनके शरीर में एक स्प्रे के माध्यम से गया था। शनिवार को सिनर ने बैन के बाद स्काई स्पोर्ट्स को अपना पहला इंटरव्यू दिया। जिसमें उन्होंने कहा,

- **यह मेरे फिजियोथेरेपिस्ट की गलती थी- सिनर** - इंटरव्यू में सिनर ने कहा, यह पदार्थ मेरे फिजियोथेरेपिस्ट के स्प्रे के जरिए गलती से मेरे शरीर में आया था। इस स्प्रे को उनके फिजियो ने सिनर के एक कट को ठीक करने के लिए इस्तेमाल किया था। लेकिन इसके इस्तेमाल के दौरान वे दस्ताने पहनना भूल गए। जिसकी वजह से यह पदार्थ सिनर के शरीर में चला गया। हालांकि इस घटना के बाद सिनर ने उस फिजियोथेरेपिस्ट को हटा दिया था।
- **लगातार दूसरी बार जीता था ऑस्ट्रेलियन ओपन** - जैनिक सिनर ने इस साल जनवरी में एलेक्जेंडर ज्वेरेव को हराकर 2025 ऑस्ट्रेलियन ओपन खिताब जीता था। इसी के साथ उन्होंने अपना तीसरा ग्रैंड स्लैम खिताब हासिल किया। वो 2006 में फ्रेंच ओपन में राफेल नडाल के बाद अपना पहला ग्रैंड स्लैम खिताब बरकरार रखने वाले पहले खिलाड़ी बन गए।
- **रोम मास्टर्स से वापसी करेंगे सिनर** - जैनिक सिनर ने कहा कि वो अपने आगामी टूर्नामेंट के लिए तैयार होने पर ध्यान दे रहे हैं। सिनर इस साल 7 मई से शुरू हो रहे रोम मास्टर्स से अपने इंटरनेशनल करियर में वापसी करेंगे। इसके बाद वह 19 मई से शुरू हो रहे फ्रेंच ओपन में भी खेलते नजर आएंगे।

आईपीएल 2025 में जसप्रीत बुमराह की वापसी

RCB के खिलाफ मुकाबले से पहले मुंबई इंडियंस में हुए शामिल

नई दिल्ली, एजेंसी। 7 अप्रैल को मुंबई इंडियंस को अपने होम ग्राउंड पर रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु का सामना करना है. लेकिन, उससे पहले अच्छी बात ये हुई है कि बुमराह ने टीम को जॉइन कर लिया है. हालांकि, बुमराह आईपीएल के खिलाफ मुंबई इंडियंस की प्लेइंग इलेवन का हिस्सा बन पाएंगे, इसे लेकर अभी सस्पेंस है.

बुमराह कब खेलेंगे आईपीएल 2025 में पहला मैच - बैक सर्जरी के बाद बुमराह आईपीएल के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में रिहैब कर रहे थे, जहां से पिछले दिनों एक रिपोर्ट में उन्हें लेकर कहा गया था कि अभी उनकी वापसी पर सस्पेंस है. लेकिन, अब बुमराह के मुंबई इंडियंस को जॉइन कर लेने की खबर सामने आ चुकी है. जहां तक बुमराह के मैच खेलने की बात है, तो फिलहाल उसे लेकर कोई आधिकारिक जानकारी नहीं है. लेकिन, ऐसा माना जा रहा कि वो 13 अप्रैल को दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ मुकाबला खेल सकते हैं.

2013 से मुंबई इंडियंस के साथ बुमराह - जसप्रीत बुमराह साल 2013 से ही मुंबई के पेस अटैक की ताकत बने हैं. तब से अब तक वो मुंबई इंडियंस के लिए 133 मैच खेल चुके हैं, जिसमें उन्होंने 165 विकेट अपने नाम किए हैं. बुमराह बैक इंजरी के चलते आईपीएल 2023 में नहीं खेल सके थे.

आईपीएल 2025 में जिसे किसी टीम ने नहीं खरीदा

उस खिलाड़ी ने 150 साल में सबसे बड़ा स्कोर बनाया

नई दिल्ली, एजेंसी। आईपीएल2025 के ऑक्शन में 2 करोड़ रुपये की बेस प्राइस के साथ उतरे थे, मगर इंग्लैंड के टॉम बैंटन किसी टीम के पॉकेट में फिट नहीं बैठ सके. उन्हें कोई खरीददार नहीं मिला. लिहाजा, उन्हें आईपीएल खेलने का लाइसेंस नहीं मिला. लेकिन, वो कहते हैं ना कि जो होता है अच्छे के लिए होता है. आईपीएल 2025 में नहीं बिकने वाले बैंटन ने अब समरसेट से काउंटी के डिवीजन 1 मुकाबले में खेलते हुए 150 साल में सबसे बड़ा स्कोर बनाया है. उन्होंने ये बेमिसाल कारनामा वूर्सेस्टरशर के खिलाफ किया.

टॉम बैंटन ने 381 गेंदों पर बनाए 344 रन - टॉम बैंटन ने दूसरे दिन का खेल खत्म होने तक 381 गेंदों का सामना करते हुए 344 रन बनाए, जिसमें 53 चौके और 1 छक्का शामिल रहा. वो अब तक कुल 496 मिनट बैटिंग कर चुके हैं. 344 रन पर नाबाद बैंटन के सामने अब तीसरे दिन अपने स्कोर को और बड़ा करने की चुनौती होगी. उनकी कोशिश अपने स्कोर को 400 रन के पार ले जाने की होगी.

● माइक्रोफाइनेंस के नियमों में बदलाव ने स्थिति को और बिगाड़ा ● लोन लेने की होड़ में लोग दिखावटी खर्चों में जुटे

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत में सबप्राइम कर्जों का बुलबुला बढ़ गया है। अब यह लाखों परिवारों को कर्ज के जाल में फंसा रहा है। दूसरे शब्दों में सबप्राइम लोन का संकट गहराता जा रहा है। न्यूज एजेंसी ब्लूमबर्ग ने कई सर्वे का हवाला देकर यह बात कही है। अपनी रिपोर्ट में उसने कहा है कि लगभग 68 प्रतिशत लोगों को लोन चुकाने में दिक्कत हो रही है। इस वजह से इस क्षेत्र में पैसा लगाने वाले निवेशकों को नुकसान हो सकता है। यह उद्योग लगभग 45 अरब डॉलर का है। विशेषज्ञों का मानना है कि भारतीय रिजर्व बैंक को इस पर और कड़ी निगरानी रखनी चाहिए। उनका कहना है कि फाइनेंशियल इन्क्लूजन का मतलब सिर्फ लोन देना नहीं है, बल्कि यह भी सुनिश्चित करना है कि लोग उसे चुका सकें। सबप्राइम कर्ज वे लोन होते हैं जो उन बॉरोअर को दिए जाते हैं जिनकी क्रेडिट हिस्ट्री अच्छी नहीं होती है।

लोन चुकाने में देरी की समस्या बढ़ रही है। 91 से 180 दिनों के बीच लोन की किस्त जमा न होने का फीसदी बढ़कर 3.3 प्रतिशत हो गया है। जबकि जून 2023 में यह आंकड़ा सिर्फ 0.8 प्रतिशत था। इसका मतलब है कि स्थिति और खराब हो सकती है। बहुत से लोग पुराने लोन चुकाने के लिए नए लोन ले रहे हैं। कुछ लोग तो इतने परेशान हैं कि उन्हें अपने बच्चों को स्कूल से निकालना पड़ रहा है। इससे पता चलता है कि आने वाले दिनों में लोन डिफॉल्ट और बढ़ सकते हैं।

2007-2008 के वित्तीय संकट से यह कैसे अलग- ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट में कहा गया है कि यहां जिन सबप्राइम लोन की

बात है, वे 2007-2008 के वैश्विक वित्तीय संकट के दौरान अमेरिका में दिए गए लोन से अलग हैं। ये छोटे लोन हैं, जिन्हें माइक्रोफाइनेंस कहा जाता है। ये लोन उन लोगों को दिए जाते हैं जिनके पास नियमित नौकरी नहीं है या जो अपना छोटा-मोटा काम करते हैं। भारत में ऐसे लोन की बहुत मांग है। कारण है कि यहां 10 में से 9 लोगों के पास कोई औपचारिक नौकरी नहीं है। इन लोगों को बैंकों से लोन मिलना मुश्किल होता है।

पहले, माइक्रोफाइनेंस कंपनियां कुछ लोगों के समूह को लोन देती थीं। समूह के सभी सदस्यों की जिम्मेदारी होती थी कि वे समय पर लोन चुकाएं। इससे लोन की वसूली आसानी से हो जाती थी। लेकिन, कोरोना महामारी के दौरान सामाजिक दूरी के नियमों के कारण समूह में बैठकें बंद हो गईं।

चेन्नई स्थित एक पॉलिसी रिसर्च संस्था द्वारा रिसर्च ने पिछले महीने एक रिपोर्ट में कहा, उसके बाद माइक्रोफाइनेंस संस्थानों के लिए समूह एकजुटता के उसी स्तर को बनाए रखना मुश्किल हो गया है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि ग्राहकों को अब पता है कि समूह में शामिल होने के सामाजिक दबाव से बचना संभव है, जो संयुक्त देयता का मुख्य आधार था।

क्यों बढ़ रही है समस्या- द्वारा रिसर्च के द्विजराज भट्टाचार्य के अनुसार, सोशल कोलेट्रल का कमजोर होना विनियमन के लिए गंभीर समस्या है। जब समूह की जिम्मेदारी प्रभावी नहीं रहती तो लोन लेने का जोखिम व्यक्तिगत हो जाता है। इससे यह पता लगाना मुश्किल हो जाता है कि कौन लोन चुका पाएगा और कौन नहीं। शहरों में गरीब लोग अपनी आय और खर्चों के बारे में ऑनलाइन जानकारी देते हैं। इससे लोन देने वालों को उनकी क्रेडिट योग्यता का आकलन करने में थोड़ी मदद मिलती है। लेकिन, गांवों में ज्यादातर लोग नकद में लेनदेन करते हैं। इसलिए, उनकी आय और खर्चों का पता लगाना लगभग असंभव है।

क्रेडिट ब्यूरो हैं, लेकिन उनके पास फिनटेक कंपनियों या सोने के बदले लिए गए लोन का डेटा नहीं होता है। हो सकता है कि बॉरोअर का पति जुआ खेलता हो। उसके पड़ोसी को यह बात पता होगी। लेकिन, जब समूह की जिम्मेदारी नहीं होती तो किसी के पास भी ज्यादा लोन लेने से रोकने का प्रोत्साहन नहीं होता है। हर बॉरोअर अकेला होता है। माइक्रोफाइनेंस का सावधानीपूर्वक बनाया गया अर्थशास्त्र अब अस्त-व्यस्त हो गया है। मुहम्मद यूनुस को 2006 में इसी के लिए नोबेल शांति पुरस्कार मिला था। इसलिए, लोन देने वालों को निगरानी के लिए एक नए नजरिये की जरूरत है।

क्या कहते हैं नियम- अभी के नियम भी ज्यादा पुराने नहीं हैं। 2022 में आरबीआई ने माइक्रोफाइनेंस बॉरोअर की परिभाषा को बदल दिया। अब 300,000 रुपये (3,500) सालाना कमाने वाला परिवार भी माइक्रोफाइनेंस लोन ले सकता है। शहरों में यह सीमा 50 प्रतिशत बढ़ गई। गांवों में यह वृद्धि और भी अधिक थी। आरबीआई ने सभी लोन पर कुल मासिक पुनर्भुगतान को आय का 50 प्रतिशत तक सीमित कर दिया। पहले, कर्ज की एक निश्चित सीमा होती थी। आरबीआई ने ब्याज दरों पर एक दशक से चले आ रहे नियंत्रण को भी हटा दिया। अब माइक्रोफाइनेंस कंपनियां अपनी मर्जी से ब्याज दरें तय कर सकती हैं। इसके अलावा, एक परिवार को दो से अधिक लोन देने पर लगी रोक को भी हटा दिया गया।

लोन का सही इस्तेमाल नहीं हुआ

महामारी के बाद नियमों में बदलाव के कारण लोगों ने नए लोन लेना शुरू कर दिया। लेकिन, वे इन लोन का इस्तेमाल छोटे व्यवसाय शुरू करने या अपनी रोजमर्रा की जरूरतों को पूरा करने के लिए नहीं कर रहे थे। वे दिखावटी शादियों का आयोजन कर रहे थे या उपभोक्ता टिकाऊ वस्तुएं खरीद रहे थे।

द्वारा के कार्यकारी निदेशक इंद्रदीप घोष कहते हैं, हर समाज में स्टेटस दिखाने की होड़ होती है। लेकिन जब माइक्रोफाइनेंस तक पहुंच बहुत आसान हो जाती है और लोन देने वाले पर्याप्त जांच नहीं करते हैं तो स्टेटस दिखाने की होड़ बहुत तेजी से बढ़ सकती है।

अब जब ज्यादा कर्ज हो गया है तो कुछ संस्थानों को विफल होने दें। लोन देने पर सख्त नियंत्रण लगाने से मौजूदा संकट और बढ़ सकता है। सरकार को बॉरोअर्स को व्यवस्थित तरीके से कर्ज कम करने में मदद करनी चाहिए। भारत के दिवालियापन कानून में इसका प्रावधान है। लेकिन, यह अभी तक व्यक्तियों पर लागू नहीं हुआ है। आरबीआई को एक पर्याप्त बाजार निगरानी प्रणाली स्थापित करने की आवश्यकता है।

भारत जैसे बड़े देश में उत्पादन और आय में बहुत अंतर है। परिवारों की लोन चुकाने की क्षमता भी अलग-अलग होती है। वैश्विक निवेशकों को यह सब पता नहीं होता है। उन्हें डेटा दिखाया जाना चाहिए ताकि वे यह तय कर सकें कि उन्हें कहां सुरक्षित रिटर्न मिल सकता है।

ट्रंप के टैरिफ से भारत को ज्यादा चिंता नहीं, असली खतरा मंदी है

ट्रंप का फॉर्मूला ट्रेड डेफिसिट को गलत तरीके से समझता है

नई दिल्ली, एजेंसी। अमेरिका के टैरिफ से भारत को ज्यादा चिंता करने की बात है। भारत पर इसका मुख्य असर अमेरिका के टैरिफ से नहीं होगा। असली चिंता तो ट्रंप के कदमों से आने वाली मंदी है। इससे अमेरिका और भारत समेत सभी देशों की जीडीपी गिरेगी। ट्रंप के काम सिर्फ टैरिफ तक सीमित नहीं हैं। वे उस पुरानी दुनिया को खत्म करना चाहते हैं जिसे पहले बनाया गया था।

2 अप्रैल को अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने 1910 के बाद सबसे ज़्यादा और बेतुके इंपोर्ट टैरिफ लगाए। उन्होंने इसे अमेरिका का लिबरेशन डे बताया। लेकिन इसे रिसेशन डे, ट्रेड वॉर डे या इकोनॉमिक स्टुपिडिटी डे कहना ज्यादा सही होगा।

ट्रंप ने लगाया 50 प्रतिशत तक टैक्स- ट्रंप ने सभी इंपोर्ट पर 10 प्रतिशत का टैक्स लगाया। इसके अलावा, 60 देशों पर 10 प्रतिशत से 50 प्रतिशत तक का रेसिप्रोकल टैक्स भी लगाया। उन्होंने एक चार्ट भी जारी किया जिसमें लिखा था टैरिफ्स चार्जड टू द यूएसए इन्क्लूडिंग करेंसी मैनिपुलेशन एंड ट्रेड बैरियर्स। इसमें उन्होंने बताया कि कैसे दूसरे देश गलत तरीके से व्यापार कर रहे हैं।

किस देश पर कितना टैक्स- ट्रंप के फॉर्मूले से भारत से इंपोर्ट पर 26 प्रतिशत का टैक्स लगता है। ये चीन (54 प्रतिशत), कंबोडिया (49 प्रतिशत), लाओस (48 प्रतिशत), वियतनाम (46 प्रतिशत), इंडोनेशिया (32 प्रतिशत), बांग्लादेश (37 प्रतिशत) और श्रीलंका (44 प्रतिशत) जैसे एशियाई देशों से कम है। इस फॉर्मूले की बेवकूफी का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि अंटार्कटिका के हर्ड और मैकडॉनल्ड आइलैंड पर 10 प्रतिशत का टैक्स लगाया गया है। वहां कोई इंसान नहीं रहता, सिर्फ पेंग्विन रहते हैं। पेंग्विन तो टैक्स नहीं देंगे, लेकिन ट्रंप खुश हो सकते हैं कि वो बदला भी नहीं लेंगे।

फॉर्मूले पर सवाल

एक्सपर्ट्स को उम्मीद थी कि रेसिप्रोसिटी को कैलकुलेट करने का कोई तरीका होगा। लेकिन ये तरीका इतना आसान था कि इकोनॉमिक्स का स्टूडेंट भी इस पर हंसेगा। रेसिप्रोकल टैक्स उस देश के साथ अमेरिका के ट्रेड डेफिसिट का 50 प्रतिशत था, जिसे अमेरिका से इंपोर्ट से डिवाइड किया गया था।

ये रेसिप्रोकल बिल्कुल नहीं था। इस फॉर्मूले का मतलब था कि किसी भी देश के साथ अमेरिका का ट्रेड डेफिसिट उस देश की चीटिंग और गलत ट्रेड को दिखाता है। इकोनॉमिस्ट लैरी समर्स ने कहा कि ट्रंप का फॉर्मूला इकोनॉमिक्स के लिए वैसा ही है जैसा क्रिएशनिज्म इवोल्यूशनरी साइंस के लिए, एस्ट्रोलॉजी एस्ट्रोनॉमी के लिए और आरएफके जूनियर वैक्सीन साइंस के लिए हैं।

हर देश का कुछ देशों के साथ ट्रेड डेफिसिट होता है और कुछ के साथ सरप्लस। सिर्फ बेवकूफ लोग ही ये सोचते हैं कि बाइलेटरल ट्रेड हमेशा बराबर होना चाहिए और ट्रेड डेफिसिट चीटिंग है।

बीएमडब्ल्यू ग्रुप इंडिया ने क्यू1 में कारों की रिकॉर्ड-तोड़ डिलीवरी कर मजबूत परफॉर्मेंस दर्ज की

मुंबई। बीएमडब्ल्यू ग्रुप इंडिया ने 2025 की मजबूत शुरुआत करते हुए कारों की बिक्री में 7 प्रतिशत की वृद्धि के साथ अपनी अब तक की सबसे अधिक क्यू1 कार डिलीवरी दर्ज की है। कंपनी ने जनवरी-मार्च 2025 के बीच 3ए914 कारें (बीएमडब्ल्यू और मिनी) और 1373 मोटरसाइकिलें (बीएमडब्ल्यू मोटोराड) डिलीवर कीं। बीएमडब्ल्यू ने 3ए764 यूनिट्स और मिनी ने 150 यूनिट्स बेचीं।

जनवरी, फरवरी और मार्च - प्रत्येक महीने की मासिक बिक्री ने भी अपनी सर्वोच्च बिक्री को दर्ज किया।

बीएमडब्ल्यू ग्रुप इंडिया के प्रेसिडेंट और सीईओ विक्रम पावाह ने कहा, '' बीएमडब्ल्यू ग्रुप इंडिया ने रिकॉर्ड-तोड़ प्रदर्शन के साथ आने वाले सफल वर्ष की नींव रखी है। बीएमडब्ल्यू ग्रुप इंडिया ने 3ए914 यूनिट्स के साथ अब तक की सबसे अधिक क्यू1 कार डिलीवरी दर्ज की है, जिसमें 7 : की वृद्धि भी हुई है। सबसे

पसंदीदा लक्जरी ईवी ब्रांड के रूप में अपनी बढ़त जारी रखते हुए, हमने अपनी इलेक्ट्रिक कार बिक्री में 200: से अधिक की अभूतपूर्व वृद्धि देखी है। इसी तरह, बीएमडब्ल्यू लॉन्ग व्हीलबेस मॉडल ने सभी क्षेत्रों में लक्जरी के पारखी लोगों की कल्पना पर कब्जा कर लिया है, जिसमें उल्लेखनीय 187: की वृद्धि हुई है। हमारी मजबूत रणनीति ने चुनौतीपूर्ण वातावरण के बावजूद हमें गति प्रदान की है।

बीएमडब्ल्यू ग्रुप इलेक्ट्रिक व्हीकल्स ;ईवी- बीएमडब्ल्यू ग्रुप इंडिया पिछले तीन वर्षों से सबसे अधिक मांग वाला लक्जरी ईवी ब्रांड है। क्यू1 2025 में, यह अग्रणी स्थिति 646 बीएमडब्ल्यू और मिनी ईवीस की डिलीवरी के साथ जारी है। इलेक्ट्रिक बिक्री में साल-दर-साल 206: की तेजी से वृद्धि, सस्टेनेबिलिटी, परफॉर्मेंस और इनोवशन के उच्च स्तर को दर्शाती है जिसे प्रगतिशील भारतीय बीएमडब्ल्यू ग्रुप ब्रांड्स के साथ जोड़ते हैं। ऑटो एक्सपो 2025 में लॉन्च की गई फर्स्ट-एवर बीएमडब्ल्यू आई एक्स 1 लॉन्ग व्हीलबेस ने बाजार में हलचल मचा दी और इसके लिएए 1ए500 से अधिक बुकिंग प्राप्त कीं।

क्रॉम्पटन के 3-स्टार ऊर्जा दक्ष, अवांसर स्वर्ल सीलिंग फैन से अपने स्पेस को बनाएं और भी शानदार, सौंदर्य और तकनीक का अनोखा संगम

मुंबई। कंज्यूमर ड्यूरेबल्स सेगमेंट में अग्रणी क्रॉम्पटन ग्रीव्स कंज्यूमर इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड ने अपना नया प्रीमियन अवांसर स्वर्ल सीलिंग फैन पेश किया है। यह प्रीमियम इंडक्शन फैन न केवल शानदार डिज़ाइन बल्कि शक्तिशाली तकनीक और उच्च प्रदर्शन के साथ आता है, जो आपके रहने की जगह को एक नया आयाम देता है। बैलेरीना की सुंदर घुमावदार मुद्रा से प्रेरित, अवांसर स्वर्ल कालातीत सुंदरता और गतिशीलता का प्रतीक है। इसकी अनूठी डिज़ाइन इसे किसी भी घर के लिए एक उल्लेखनीय हिस्सा बनाती है जिससे घर न केवल अधिक आरामदायक बल्कि अधिक स्टाइलिश भी बन जाता है। चाहे आप उमस से राहत चाहते हों या चिलचिलाती गर्मी से तुरंत राहत पाना चाहते हों, क्रॉम्पटन का प्रीमियन अवांसर स्वर्ल सभी के लिए आदर्श समाधान है। चूंकि ऊर्जा दक्षता और घरेलू सौंदर्य का महत्व लगातार बढ़ता जा रहा है, इसलिए उपभोक्ता ऐसे सीलिंग फैन चाहते हैं जो न केवल प्रभावी शीतलता प्रदान करें, बल्कि बिजली की लागत को कम करते हुए उनके आंतरिक साज-सज्जा के साथ सहजता से मेल खाएं। मानसून के दौरान बढ़ती नमी के साथ, पंखे घरों के लिए अनिवार्य हो गए हैं।

क्रॉम्पटन के प्रीमियन अवांसर स्वर्ल सीलिंग फैन को इन आवश्यकताओं को को पूरा करने के लिए डिजाइन किया गया है, जो बेहतरीन एयर डिलीवरी और एंटी-डस्ट फिनिश प्रदान करता है, साथ ही ये परिष्कृत डिज़ाइन के साथ आता है है जो विभिन्न प्रकार के इंटीरियर शैलियों के अनुरूप है। इसकी 3-स्टार ऊर्जा दक्षता इसे उन ग्राहकों के लिए बेहतरीन विकल्प बनाती है जो आराम और किफ़ायत दोनों को प्राथमिकता देते हैं।

खाना खाने का सही तरीका जानें

हमारे जीवन में भोजन का एक विशेष स्थान है। यह न केवल हमें ऊर्जा प्रदान करता है, बल्कि हमारे शरीर को स्वस्थ रखने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। परंतु केवल पौष्टिक भोजन करना ही पर्याप्त नहीं है, उसे सही तरीके से खाना भी उतना ही जरूरी है। ***सही तरीके से खाना खाने से न केवल पाचन अच्छा होता है, बल्कि शरीर में रोग प्रतिरोधक क्षमता भी बढ़ती है।***

शांत और सकारात्मक माहौल में भोजन करें

1 भोजन करते समय माहौल का बहुत असर पड़ता है। तेज़ आवाज़, तनाव या भागदौड़ के माहौल में खाना खाने से पाचन पर असर पड़ सकता है। ***हमेशा शांत और सकारात्मक माहौल में बैठकर भोजन करें। टीवी, मोबाइल या अन्य किसी व्याकुल करने वाली चीज़ों से दूर रहकर खाने पर ध्यान दें।***

चबा-चबाकर खाएं

2 अधिकांश लोग जल्दी में खाना निगल लेते हैं, जिससे भोजन अच्छे से पच नहीं पाता। ***हर एक निवाले को अच्छी तरह चबाकर खाने से लार अच्छे से मिलती है, जो पाचन प्रक्रिया को आसान बनाती है।*** इसके अलावा पेट जल्दी भरने का संकेत भी मस्तिष्क तक पहुँचता है, जिससे हम अधिक नहीं खाते।

भोजन से पहले और बाद में पानी पीना

3 भोजन करते समय बहुत अधिक पानी पीने से पाचन रस पतले हो सकते हैं, जिससे पाचन प्रक्रिया धीमी हो सकती है। ***भोजन से लगभग 30 मिनट पहले और 30 मिनट बाद पानी पीना स्वास्थ्य के लिए बेहतर माना जाता है।***

भूख लगने पर ही खाएं

4 हमेशा शरीर की जरूरत के अनुसार ही खाना चाहिए। ***बिना भूख के सिर्फ स्वाद के लिए बार-बार खाने की आदत मोटापा और अन्य बीमारियों को बुलावा देती है।***

नियमित समय पर ही भोजन करें

5 अनियमित समय पर भोजन करने से शरीर की जैविक घड़ी प्रभावित होती है। इसलिए ***नाश्ता, दोपहर का खाना और रात का भोजन नियमित समय पर करना चाहिए।***

बैठकर और शांति से खाएं

6 खड़े-खड़े या चलते-फिरते खाना खाने से भोजन का पाचन ठीक से नहीं हो पाता। ***जमीन पर या टेबल पर बैठकर शांत भाव से खाना स्वास्थ्य के लिए लाभकारी होता है।***

मौन रहकर या कम बोलकर भोजन करें

7 भोजन करते समय अधिक बोलने से हम हवा निगलते हैं, जिससे गैस और अपच की समस्या हो सकती है। ***आयुर्वेद और योगशास्त्र भी कहते हैं कि भोजन करते समय अधिक बातचीत नहीं करनी चाहिए, इससे मन भोजन पर केंद्रित रहता है और पाचन बेहतर होता है।***

आभार व्यक्त करें

8 भोजन शुरू करने से पहले भोजन के लिए कृतज्ञता प्रकट करना एक सुंदर आदत है। यह मानसिक रूप से सकारात्मकता लाता है और हमें भोजन के महत्व का एहसास कराता है। ***कुछ लोग भोजन से पहले प्रार्थना या धन्यवाद करते हैं – यह मन को शांत करता है।***

गरम और ताज़ा भोजन करें

9 ताज़ा और गर्म भोजन न केवल स्वाद में अच्छा होता है बल्कि पचने में भी आसान होता है। ***बासी या ठंडा खाना कई बार पाचन की समस्याएं पैदा करता है। जहां तक हो सके, ताज़ा पका हुआ भोजन ही करें।***

भोजन को एक संस्कार समझें

10 भारतीय संस्कृति में भोजन को केवल शारीरिक आवश्यकता नहीं, बल्कि एक 'संस्कार' माना गया है। ***इसे एक पवित्र क्रिया के रूप में देखा जाता है। इस दृष्टिकोण से भोजन करने से हम उसमें आध्यात्मिकता भी जोड़ पाते हैं।***

गर्म खाना

फायदे

अच्छा पाचन: गर्म खाना खाने से पाचन क्रिया तेज होती है। यह पेट में जाकर जल्दी पचता है और गैस या अपच की संभावना कम होती है।

स्वाद में बढ़ोतरी: गर्म खाना सुगंध और स्वाद में ज़्यादा अच्छा लगता है। मसालों की खुशबू और जायका अच्छे से निकलता है।

जीवाणु कम होते हैं: गर्म करने से खाने में मौजूद हानिकारक बैक्टीरिया मर जाते हैं, जिससे फूड पॉइज़निंग का खतरा कम होता है।

आरामदायक अनुभव: सूप, चाय, हलवा जैसे गर्म खाने सर्दियों में शरीर को आराम देते हैं और ठंड से बचाते हैं।

नुकसान

बहुत गर्म खाना हानिकारक: यदि खाना बहुत ज्यादा गर्म हो (मुंह जल जाए इतना), तो यह गले और खाने की नली को नुकसान पहुँचा सकता है। इससे जलन और लंबे समय में कैंसर का जोखिम भी बताया गया है।

दाँतों और मसूड़ों पर असर: लगातार बहुत गर्म खाना खाने से दाँतों की इनेमल पर असर पड़ सकता है और मसूड़ों में संवेदनशीलता आ सकती है।

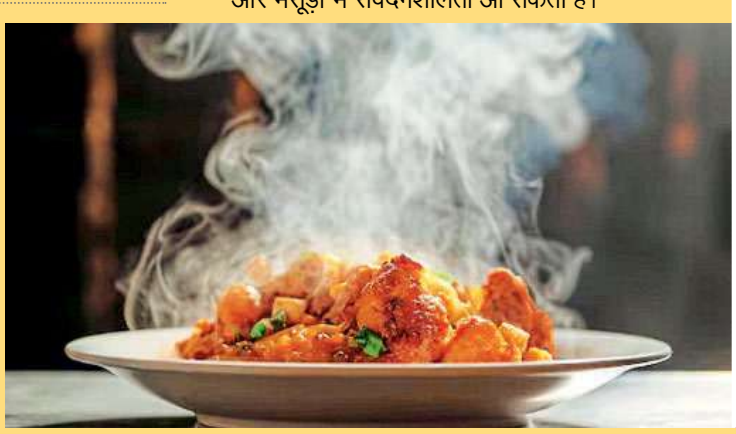

ठंडा खाना

फायदे

गर्मी में राहत: ठंडा खाना जैसे दही, छाछ, फ्रूट सलाद, शर्बत गर्मी में ठंडक पहुंचाते हैं और शरीर का तापमान संतुलित रखते हैं।

पाचन के लिए कुछ ठंडे पदार्थ अच्छे: दही, खीरा, नारियल पानी आदि ठंडे खाद्य पदार्थ पाचन में मदद करते हैं और एसिडिटी को कम करते हैं।

एनर्जी रिच: कुछ ठंडे आइटम्स जैसे स्मूदी, फल आदि फाइबर और विटामिन्स से भरपूर होते हैं और शरीर को तुरंत ऊर्जा देते हैं।

नुकसान

पाचन पर असर: बहुत ठंडा खाना (जैसे फ्रिज से सीधा निकाला हुआ) पाचन क्रिया को धीमा कर सकता है और गैस या कब्ज पैदा कर सकता है।

सर्दी-जुकाम की आशंका: ज्यादा ठंडी चीजें खाने से गले में खराश या सर्दी हो सकती है, खासकर बारिश या सर्द मौसम में।

बासी खाना अक्सर ठंडा होता है: ठंडा खाना कभी-कभी बासी भी हो सकता है जो स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है।

भारतीय जनता पार्टी का स्थापना दिवस महू विधानसभा के जी महेश्वरी मंडल द्वारा हर्षोल्लास से मनाया गया

महू। भारतीय जनता पार्टी, जो आज विश्व की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी बन चुकी है, के स्थापना दिवस का आयोजन महू विधानसभा के अंतर्गत जी महेश्वरी मंडल द्वारा श्याम विलास चौराहे पर बड़े ही हर्ष और उल्लास के साथ किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत राम दरबार, भारत माता, डॉ. श्यामाप्रसाद मुखर्जी और पंडित दीनदयाल उपाध्याय के चित्रों पर माल्यार्पण व पूजन के साथ

हुई। इस अवसर पर भारतीय संस्कृति और पार्टी के मूल सिद्धांतों को नमन किया गया। मंडल अध्यक्ष श्री पीयूष अग्रवाल, श्री शैलेश गिरजे जी ने उपस्थित कार्यकर्ताओं व जनसमूह को संबोधित करते हुए पार्टी की विचारधारा, उपलब्धियों और सेवा भाव पर प्रकाश डाला। इस आयोजन में विशेष रूप से श्री गोपाल दुबे, श्री पूनम कैथवास, श्री चंदू कश्यप, श्री मनोज मेहरा, श्री विकास श्रीवास, वैभव श्रीवास युवा मोर्चा नगर अध्यक्ष, श्री कन्हैया अग्रवाल, श्री महादेव कुमायूं और श्री बलराम जी की गरिमामयी उपस्थित रहे कार्यक्रम का संचालन महू नगर के पालक एवं पूर्व पार्षद श्री विजय श्रीवास ने किया, जबकि आभार प्रदर्शन महू नगर कार्यालय मंत्री श्री उमेश शर्मा द्वारा किया गया। स्थापना दिवस का यह आयोजन पार्टी की एकजुटता, सेवा, संकल्प और समर्पण के संदेश को दोहराता है।

प्रभु राम के जयघोष से गूंजा दशहरा मैदान

सिटी-इंदौर

संघ, बजरंग दल, विहिप और विद्यार्थी परिषद से जुड़े कई विशिष्टजन हुए शामिल

एक लाख से अधिक भक्त पहुंचे 'अवध लोक'

दशहरा मैदान स्थित 'अवध लोक' पर गत 30 मार्च से चल रहे 'सबके राम' महोत्सव का गरिमापूर्ण समापन रविवार शाम राम लला के मंदिर में विराजित राम दरबार की दिव्य महाआरती एवं उसके पूर्व दोपहर में पालने में विराजित नन्हें प्रभु श्रीराम लला की जन्म आरती में शहर के हजारों श्रद्धालु शामिल हुए। संघ, विहिप, बजरंग दल एवं विद्यार्थी परिषद से जुड़े सभी स्तर के प्रतिनिधियों, स्वयं सेवकों एवं सनातन धर्म से जुड़े 21 समाजों के पदाधिकारियों ने जन्म आरती में अपनी मौजूदगी दर्ज कराई। भक्तों में प्रभु राम का पालना झुलाने की होड़ मची रही। महामंडलेश्वर राधे राधे बाबा, महामंडलेश्वर पवनदास महाराज एवं अन्य संतों के सानिध्य में सांस्कृतिक प्रस्तुतियां भी आकर्षण का केन्द्र बनी रही। हजारों दर्शकों ने इन प्रस्तुतियों को मंत्रमुग्ध होकर निहारा। संतों ने कहा कि सनातन धर्म की मजबूती वर्तमान समय की सबसे बड़ी जरूरत है। इस तरह के महोत्सव निरंतर होते रहना चाहिए।

'सबके राम' लोक कल्याण समिति के संयोजक महेन्द्रसिंह चौहान एवं श्रीमती प्रवीणा पंकज अग्निहोत्री ने बताया कि समापन बेला में सांसद शंकर लालवानी, महापौर पुष्यमित्र भार्गव, विहिप के हेडगेवार स्मारक समिति के प्रमुख ईश्वरदास हिन्दूजा, संघ के सामाजिक समरसता विभाग के जितेन्द्र शर्मा, भोरभ्रमण समूह के अध्यक्ष कमल किशोर पंवार, सचिव राजेश बागोरा, पूर्व विधायक जीतू जिराती एवं गोपीकृष्ण नेमा, उद्योगपति वीरेन्द्र गोयल, किरण जोशी, अ.भा. क्षत्रिय महासभा के नगर अध्यक्ष पप्पू ठाकुर, पार्षद श्रीमती शिखा दुबे एवं संदीप दुबे, अशोक चौहान चांदू, महेन्द्रसिंह सोनगरा, मनोज द्विवेदी, मनोज ठाकुर, अनंत पंवार, गुरुदेव नितिन मतकर सहित विशिष्टजनों ने शामिल होकर राष्ट्र में सुख, शांति एवं समृद्धि के लिए प्रार्थना की। मेहमानों ने इस दिव्य और भव्य महोत्सव के लिए आयोजकों को बधाई एवं शुभकामनाएं भी व्यक्त की। महोत्सव के पूरे आठ दिनों में लगभग एक लाख भक्तों ने इस आयोजन का पुण्य लाभ उठाया। जन कल्याण, राष्ट्र सुख, शांति और समृद्धि की कामना से किए गए इस श्रीराम महायज्ञ में 11 लाख आहुतियों के लक्ष्य के मुकाबले 15 लाख आहुतियां सम्पन्न हुई जो एक कीर्तिमान है। पूरे महोत्सव में एक लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने पुण्य लाभ उठाया।

रविवार सुबह जैसे ही श्रीराम जन्मोत्सव महायज्ञ की पूर्णाहुति की घड़ी आई, यज्ञाचार्य पं. बृजेश व्यास एवं उनके सहयोगी विद्वानों, पं. अगस्त व्यास अग्निहोत्री, पं. देवांश पाठक, पं. आशुतोष व्यास अग्निहोत्री एवं पं. यथार्थ शर्मा ने यज्ञ देवता के जयघोष के साथ ही प्रभु श्रीराम के जयघोष से आसमान को गुंजायमान बना दिया । अतिथियों ने यज्ञशाला में पूर्णाहुति के बाद यज्ञाचार्यों का सम्मान भी किया। रविवार को पूर्णाहुति के अवसर पर सैकड़ों श्रद्धालुओं ने नंगे पैर चलकर यज्ञशाला की परिक्रमा लगाई। सबको यज्ञशाला का प्रसाद भी भेंट किया गया। महायज्ञ में 11 लाख आहुतियों का लक्ष्य था, लेकिन भक्तों के उत्साह के कारण यह संख्या 15 लाख तक पहुंच गई, जो एक कीर्तिमान है।

दोपहर में भगवान राम के जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में राम दरबार मंदिर में पालना बांधकर जन्म आरती का आयोजन इस महोत्सव का मुख्य आकर्षण था, जिसमें हजारों श्रद्धालु शामिल हुए। संघ, विहिप, बजरंग दल एवं विद्यार्थी परिषद तथा सनातन धर्म से जुड़े 21 समाजों के प्रतिनिधियों ने रामलला की पूजा-अर्चना कर महाआरती में भागीदारी दर्ज कराई और इस सुंदर आयोजन को सनातन धर्म के लिए प्रेरणापुंज बताते हुए हर वर्ष इससे भी अधिक दिव्य और भव्य आयोजन करने का परामर्श एवं मार्गदर्शन दिया। अंत में संयोजक महेन्द्रसिंह चौहान एवं प्रवीणा पंकज अग्निहोत्री ने आभार माना।

शनिवार संध्या को सांस्कृतिक कार्यक्रमों की श्रृंखला में रतलाम के जवाहर व्यायामशाला के कलाकारों द्वारा मलखंभ की शानदार प्रस्तुति दी गई। यह टीम इंडिया गॉट टैलेंट में भी अपना प्रदर्शन कर चुकी है। टीम ने एक से बढ़कर एक ऐसे करतब दिखाए कि हजारों दर्शक दांतों तले अंगुली दबाए रहे। सभी कलाकारों का स्वागत सांसद शंकर लालवानी के साथ अन्य अतिथियों ने भी कियाऔर कलाकारों को स्मृति चिन्ह भेंटकर सम्मानित भी किया। सोमवार सुबह 8 बजे इस दिव्य आयोजन में सहयोग देने वाले सभी बंधुओं का सम्मान किया जाएगा।

गीता भवन के सुसज्जित राम दरबार की महाआरती में शामिल हुए सैकड़ों श्रद्धालु

चैत्र नवरात्रि एवं राम नवमी के उपलक्ष्य में मनोरमागंज स्थित गीता भवन स्थित राम दरबार मंदिर पर रविवार को दिनभर भक्तों का सैलाब बना रहा। सुबह से राम दरबार को 11 किस्म के फूलों, पत्तियों, रेशमी वस्त्रों एवं विद्युत की रंग-बिरंगी छटा से श्रृंगारित किया गया था। दोपहर 12 बजे महाआरती में शामिल हुए हजारों भक्तों का उत्साह देखने लायक था। बच्चे, युवा, महिलाएं और वृद्धजन भी महाआरती में शामिल हुए।

गीता भवन ट्रस्ट के अध्यक्ष राम ऐरन, मंत्री रामविलास राठी ने बताया कि महाआरती के पूर्व विद्वान आचार्यों ने राष्ट्र को स्वस्थ, समृद्ध एवं निरोगी रखने की प्रार्थना के साथ यज्ञ-हवन और अभिषेक कराए। सुबह रामचरित मानस का नवान्ह पारायण पाठ भी हुआ। नवरात्रि के उपलक्ष्य में चल रहे दुर्गा सप्तशती पाठ की पूर्णाहुति भी संपन्न हुई। समूचा गीता भवन परिसर भक्तों के सैलाब से खचाखच भरा रहा। गीता भवन न्यासी मंडल के मनोहर बाहेती, दिनेश मित्तल, टीकमचंद गर्ग, राजेश गर्ग केटी, पवन सिंघानिया, महेश चंद्र शास्त्री, प्रेमचंद गोयल, हरीश माहेश्वरी, संजीव कोहली सहित अनेक श्रद्धालुओं ने भक्तों की अगवानी की। महानवमी के उपलक्ष्य में गीता भवन के सभी देवालयों का मनोहारी श्रृंगार निहारने के लिए भक्तों का तांता दिनभर लगा रहा। जन्मोत्सव की आरती में सैकड़ों श्रद्धालुओं ने भाग लिया।